• स्थायी स्लाइडों की सहायता से वृषण और अण्डाशय की अनुप्रस्थ काट का अध्ययन

➡ 3. उद्देश्य (Object)–स्तनी के वृषण की अनुप्रस्थ काट का अध्ययन

• **लक्षण** (Characters)— (1) यह खरगोश के वृषण की अनुप्रस्थ काट है। इसमें बाहर तन्तुमय संयोजी ऊतक का आवरण होता है। संयोजी ऊतक में शुक्रजनन नालिकायें होती हैं।

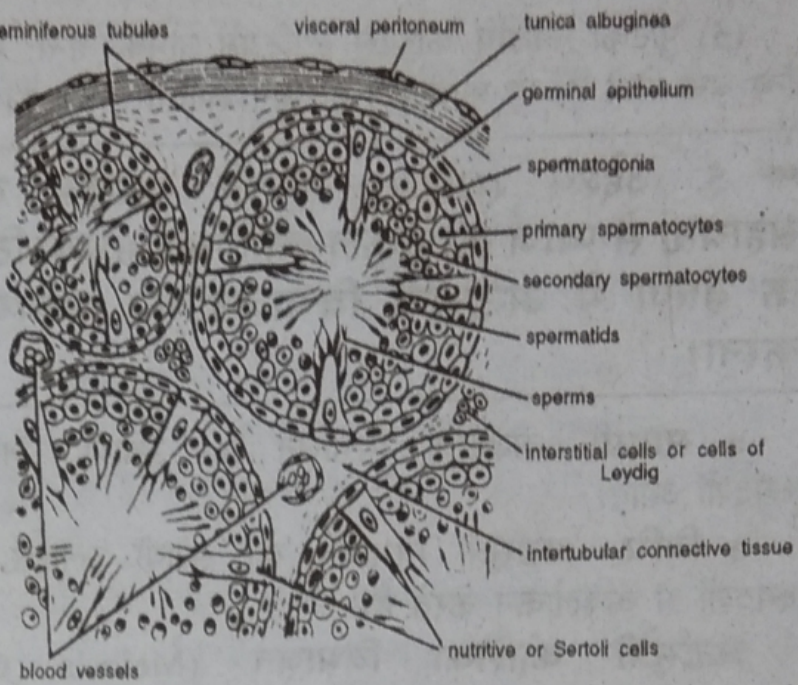

• **चित्र–स्तनी के वृषण की अनुप्रस्थ काट**

(2) वृषण का आवरण ऐल्बूजीनिया स्तर **तथा** विसरल पेरिटोनियम से बना होता है।

(3) शुक्रजनन नलिकाओं के चारों ओर ट्यूनिका प्रोपिया का आवरण होता है।

(4) टयूनिका प्रोपिया के नीचे जनन एपीथिलियम स्तर होता है।

(5) जननिक एपिथीलियम कोशाओं के बीच-बीच में लम्बी **सरटोली** की कोशायें स्थित हैं जो शुक्राणुओं का पोषण करती हैं।

(6) शुक्रजनन नलिकाओं के बीच-बीच में लेडिग की कोशायें स्थित होती हैं जिनसे नर हॉरमोन्स का स्रावण होता हैं।

➡ 4. उद्देश्य (Object)–स्तनी के अण्डाशय की अनुप्रस्थ काट का अध्ययन